ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-४३
दिनांक- शुक्रवार, १७ जून, २०२२

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 36.6 एवं 24.5 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 86 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 58 प्रतिशत, हवा की औसत गति 5.7 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 3.0 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 6.5 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 30.8 एवं दोपहर में 38.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(18–22 जून, 2022)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 18–22 जून, 2022 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- १३ जून को बिहार में मानसून प्रवेश होने के बाद भी पूरे बिहार में अभी भी मानसून सक्रिय नहीं हुआ है, जिसमे उत्तर पश्चिम बिहार भी शामिल है। उम्मीद है कि अगले २–३ दिनों में इस क्षेत्र में मानसून सक्रिय हो जाये। हालाकि मानसून की स्थिति अभी कमजोर है। अगले ३–४ दिनों में उत्तर बिहार के जिलों में अच्छी वर्षा होने की सम्भावना नहीं है। वर्षा कहीं–कहीं हल्की से मध्यम हो सकती है। पूर्वानुमानित अवधि में हालाकि पूर्वी तथा पश्चिमी चम्पारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी एवं गोलागंज जिलों के अनेक स्थानों पर मध्यम से भारी वर्षा हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 36–37 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की सम्भावना है जबकि न्यूनतम तापमान 25–27 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 85 प्रतिशत तथा दोपहर में 50 से 60 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 15 से 20 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पुरवा हवा चलने का अनुमान है।

• समसामयिक सुझाव

- धान का बीज नर्सरी में प्राथमिकता से गिरावें। मध्यम अवधि के लिए संतोष, सीता, सरोज, राजश्री, प्रभात, राजेन्द्र सुवासनी, राजेन्द्र कस्तुरी, राजेन्द्र भगवती, कामिनी, सुगंधा किस्में अनुशंसित है। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु 800–1000 बर्ग मीटर क्षेत्रफल में बीज गिरावें। नर्सरी में क्यारी की चौड़ाई 1.25–1.5 मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार रखें। बीज को बविस्टिन 2 ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से मिलाकर बीजोपचार करें। 10 से 12 दिनो के बीचड़े वाली नर्सरी से खर–पतवार निकालें।
- धान की पौधशाला में पौधों की ऊपरी पतियॉ पीली और नीचे की पतियॉ हरी हो तो यह लौह तत्व की कमी का लक्षण है। इसके निदान के लिए 0.5% फेरस सल्फेट+0.25% चुने के घोल का छिड़काव करें। पौधशाला में ब्लास्ट तथा भूरा धब्बा रोग का लक्षण दिखने पर बविस्टिन 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें।
- खरीफ प्याज की नर्सरी (बीजस्थली) गिरावें। एन0–53, एग्रीफाउण्ड र्डाक रेड, अर्का कल्याण, भीमा सुपर खरीफ प्याज के लिए अनुशंसित किस्में है। बीज गिराने के पूर्व बीज को केप्टन या थीरम/2 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से मिलाकर बीजोपचार कर लें। बीज की दर 8–10 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टेयर रखें। पौधशाला को तेज धूप से बचाने के लिए 40: छायादार नेट से 6–7 फीट की ऊचाई पर ढ़क सकते है। प्याज के स्वस्थ पौध के लिए पौधशाला से नियमित रूप से खरपतवार को निकालते रहें।
- गन्ना फसल में अभी गलित शिखा रोग के प्रकोप की संभावना है। इस रोग से लगभग 2.0 से 22.5 प्रतिषत तक एवं उग्र अवस्था में 80 प्रतिषत तक उपज एवं 11.80 से 65.0 प्रतिषत तक की चीनी की मात्रा में कमी हो जाती है, जिससे किसान एवं चीनी मिलों को काफी हद तक नुकसान सहना पड़ता है। बिहार के वातावरण में इस रोग को वृद्धि हेतु तापक्रम 24–28 डिग्री सेल्सियस, नमी 75–85 प्रतिषत एवं 700–1000 मि0मी0 वर्षा उपयुक्त पाया गया इस रोग से अक्रांत पौधे के शीर्ष भाग की पत्तिया घुमावदार हो जाती है तथा अक्रांत बिन्दु से पत्तिया टूटकर नीचे झुक जाती है एवं पौधों की वृद्धि विन्दु सड़ जाती है एवं पौधे की बढ़वार रुक जाती है। गन्ना फसल पर इस रोग का लक्षण दिखाई देने पर कार्बन्डाजीन (फफूँदनाषी) का 0.1 प्रतिषत दवा कों 1 लीटर पानी में घोलकर 15 दिनों के अन्तराल पर तीन बार छिड़काव करने से रोग वृद्धि में कमी होती है।
- अरहर, तिल एवं सुर्यमुखी की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। खेत की जुताई में गोबर की खाद/कम्पोस्ट का अधिक से अधिक प्रयोग करें। यह भूमि की जलधारण क्षमता एवं पोषक तत्व की मात्रा बढ़ाती है।
- मूंग, उरद की तैयार फलियों की तुड़ाई कर ले तथा हरी खाद हेतु उसके पौधों को मिट्टी पलटने वाले हल से जमीन में पलट दें।
- इस माह में आम, लीची, आदि वृक्षें के लिए खोदे गये गड्ढों में मिट्टी के साथ अनुशंसित मात्रा में खाद, उर्वरक एवं थिमेट दे कर ऊपर तक भरने का कार्य कर लें।
- बरसाती सब्जियाँ जैसे– भिंडी, लौकी, नेनुआ, करैला, खीरा की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। खेत की जुताई में गोबर की खाद/कम्पोस्ट का अधिक से अधिक प्रयोग करें।

आज का अधिकतम तापमानः 35.2 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.5 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 25.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.4 डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी